आचार्य (एम.ए) शिक्षाशास्त्रम्

क्रेडिट–आधारितः पाठ्यक्रमः

राष्ट्रीय शिक्षा नीति – 2020 पर आधारित पाठ्यक्रम

सत्र 2026–27 से प्रभावी

वयं देवानां सुमतौ स्याम

शिक्षाशास्त्रविभागः

(आधुनिक–ज्ञान–विज्ञान–संकायः)

उत्तराखण्डसंस्कृतविश्वविद्यालयः, हरिद्वारम्

हरिद्वार– दिल्लीराष्ट्रीयराजमार्गः, बहादराबादः, हरिद्वारम्, उत्तराखण्डः –249402

E-mail : bed@usvv.ac.in website : www.usvv.ac.in

आचार्य (एम0ए0) शिक्षाशास्त्र सेमेस्टर प्रणाली का पाठ्यक्रम

पाठ्यक्रम निर्माण समिति

दिनांक 29 एवं 30 मई, 2026

कार्यवृत्त

राष्ट्रीय शिक्षा नीति– 2020 के अनुक्रम में दिनांक 29 एवं 30 मई, 2026 को आचार्य (एम.ए.) शिक्षाशास्त्र पाठ्यक्रम (CBCS) के पुनर्रचना एवं संशोधन हेतु पाठ्यक्रम निर्माण समिति (बी0ओ0एस0) बैठक सम्पन्न हुई, जिसमें विषय–विशेषज्ञों द्वारा सम्यक् विचार–विमर्श कर सहमति से निम्नलिखित निर्णय लिये गये–

- शिक्षाशास्त्र विषय में आचार्य (एम0ए0) की उपाधि प्रदान करने वाले इस पाठयक्रम में कुल चार सैमेस्टर होंगे। प्रथम वर्ष में दो सैमेस्टर होंगे। दोनों सेमेस्टर मे पांच–पांच प्रश्नपत्र होंगे। द्वितीय वर्ष जो कि अन्तिम वर्ष होगा, उसमें भी दो सैमेस्टर होंगे ।
- सभी सैद्धान्तिक प्रश्नपत्र 100 अंक के होंगे। (80 अंक बाह्य मूल्यांकन और 20 अंक आन्तरिक मूल्यांकन) के होंगे।
- आन्तरिक मूल्यांकन प्रत्येक प्रश्नपत्र में 10 अंकों के कक्षागत परीक्षण, 5 अंक के प्रदत्त कार्य और 5 अंकों के एक सेमिनार पर आधारित होगा।
- प्रत्येक सैद्धान्तिक प्रश्नपत्र में छात्र को तीन घंटे की अवधि में प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। परीक्षा का माध्यम–संस्कृत/अंग्रेजी/हिन्दी होगा। आचार्य (एम0ए0) शिक्षाशास्त्र में प्रवेश का आधार बी0एड0 एवं बी0ए0 (शिक्षाशास्त्र) के अंको का प्रतिशत् होगा।
- मूल पाठ्यक्रम (Core Course) के 16 प्रश्नपत्र होंगे। प्रत्येक प्रश्नपत्र 6 क्रेडिट का होगा।
- प्रत्येक सत्रार्द्ध 30–30 क्रेडिट के होंगे । सम्पूर्ण पाठ्यक्रम 120 क्रेडिट का होगा।
- वैकल्पिक विषय में (Elecvtive Course) को EC-A तथा EC-B को रखा गया है। जिसमें छात्रों को रूचि के अनुसार किसी एक विषय का चयन करना है। जिसका अध्ययन वह चतुर्थ सेमेस्टर तक करता रहेगा। वैकल्पिक विषय के प्रश्न पत्र की भाषा हिन्दी रहेगी।
- अन्तिम सेमेस्टर में न्यूनतम 60 पृष्ठात्मक लघुशोध प्रबन्ध सभी छात्रों के लिए अनिवार्य होगा।
- लघुशोध भी 100 अंकों का होगा (75 लघुशोध प्रबन्ध तथा 25 अंक साक्षात्कार हेतु निर्धारित है, बाह्य एवं आन्तरिक परीक्षक सम्मिलित रूप से लघुशोध प्रबन्ध का मूल्यांकन करेंगे। लघु शोध प्रबन्ध की भाषा संस्कृत होगी।
- आचार्य (एम.ए) शिक्षाशास्त्र के विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय स्तर पर आयोजित/निर्धारित संगणक परीक्षा में उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। यह परीक्षा प्रथम एवं चतुर्थ सत्रार्द्ध में होगी।
- आचार्य का सम्पूर्ण पाठ्यक्रम 22 प्रश्नपत्रों व 120 क्रेडिट का होगा। 22 प्रश्नपत्रों में से 02 प्रश्नपत्र संगणकविज्ञानम् (OC-1 एवं OC-2) बिना क्रेडिट (NON CREDIT) के होंगे प्रत्येक प्रश्नपत्र 100 पूर्णांक का होगा। इस आधार पर कुल 20 प्रश्नपत्रों के पूर्णांकों का योग 2000 होगा।
- संगणक विज्ञान (OC-1 एवं OC-2) बिना क्रेडिट (NON CREDIT) प्रश्नपत्रों में आन्तरिक मूल्यांकन नहीं होगा। इन प्रश्न पत्रों में भी उत्तीर्ण होना अनिवार्य होगा। इन दोनों प्रश्नपत्रों का माध्यम हिंदी अथवा अंग्रेजी होगा।

30.5.2026
(प्रो. लोकमान्य मिश्र)
बाह्य विषय विशेषज्ञ

30.5.26
(प्रो. विचारी लाल मीना)
बाह्य विषय विशेषज्ञ

30/05/2026
(प्रो. मोहन चन्द्र बलोदी)
आन्तरिक विषय विशेषज्ञ

30/05/2026
(प्रो. अरविन्दनारायण मिश्र)
आन्तरिक विषय विशेषज्ञ

(प्रो विन्दुमती द्विवेदी)
आन्तरिक विषय विशेषज्ञ

30.5.2026
(डॉ. सुमन प्रसाद भट्ट)
आन्तरिक विषय विशेषज्ञ

30/05/2026
(मीनाक्षी सिंह रावत)
आन्तरिक विषय विशेषज्ञ

30/05/2026
(डॉ. प्रकाश चन्द पन्त)
संयोजक/अध्यक्ष

उत्तराखण्डसंस्कृतविश्वविद्यालयः, हरिद्वारम्

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर आधारित पाठयक्रम (सत्र 2026–27 से प्रभावी)

आचार्यः (एम.ए.) शिक्षाशास्त्रम्

प्रथमवर्षम् (सेमेस्टर–प्रथम)

इकाई	पत्र	प्रश्नपत्र नाम	पूर्णांकः 75 + 25 = 100	क्रेडिट
1	DSCC-01	शिक्षायाः दार्शनिकाधाराः	100	04
2	DSCC-02	शिक्षायाः समाजशास्त्रीयाधाराः	100	04
3	DSE-01	शैक्षिकं व्यावसायिकं निर्देशनम्	100	04
4	DSE-02	शैक्षिकप्रविधिः	100	04
5	IAPC-01	शोधपरियोजना व्यक्तिवृत्त–अध्ययनम्	100	06

प्रथमवर्षम् (सेमेस्टर–द्वितीय)

इकाई	पत्र	प्रश्नपत्र नाम	पूर्णांकः 75 + 25 = 100	क्रेडिट
1	DSCC-03	शिक्षायाः मनोवैज्ञानिकाधाराः	100	04
2	DSCC-04	भारतीयशिक्षायाः समसामयिकसन्दर्भाः	100	04
3	DSE-03	शैक्षिकं प्रशासनं प्रबन्धश्च	100	04
4	DSE-04	विशिष्टशिक्षा	100	04
5	IAPC-02	शोधपरियोजना शोधोपकरणनिर्माणम्	100	06

उत्तराखण्डसंस्कृतविश्वविद्यालयः, हरिद्वारम्

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर आधारित पाठयक्रम (सत्र 2026–27 से प्रभावी)

आचार्यः (एम.ए.) शिक्षाशास्त्रम्

द्वितीयवर्षम् (सेमेस्टर–तृतीय)

इकाई	पत्र	प्रश्नपत्र नाम	पूर्णांकाः 75 + 25 = 100	क्रेडिट
1	DSCC-05	तुलनात्मकशिक्षा	100	04
2	DSCC-06	शैक्षिकं मापनं मूल्यांकनं च	100	04
3	DSE-05	अध्यापकशिक्षा	100	04
4	DSE-06	मानवाधिकारशिक्षा	100	04
5	IAPC-03	शोधपरियोजना/लघुशोधप्रबन्धः, संगोष्ठीसम्मेलनेषु प्रतिभागिता च शोधपत्रलेखनम्	100	06

द्वितीयवषर्म् (सेमेस्टर– चतुर्थ)

इकाई	पत्र	प्रश्नपत्र नाम	पूर्णांकाः 75 + 25 = 100	क्रेडिट
1	DSCC-07	शिक्षायाम् अनुसन्धानप्रविधिः	100	04
2	DSCC-08	शिक्षायां प्रदत्तविश्लेषणस्य विधयः	100	04
3	DSE-07	पाठ्यचर्याविकासः	100	04
4	DSE-08	शोधनैतिकता	100	04
5	IAPC-04	लघुशोधप्रबन्धलेखनं प्रस्तुतीकरणं च	100	06

उत्तराखण्डसंस्कृतविश्वविद्यालयः, हरिद्वारम्

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर आधारित पाठ्यक्रम (सत्र 2026–27 से प्रभावी)

आचार्य (एम.ए.) शिक्षाशास्त्रम्

वर्ष–प्रथम (सेमेस्टर –I)

विषयः–शिक्षाशास्त्रम्

प्रश्नपत्र–शिक्षायाः दार्शनिकाधाराः (कोड–DSCC-01)

क्रेडिट 04, पूर्णांक : 100
सैद्धांतिकः 75, आंतरिक मूल्यांकन 25

DSCC-01	शिक्षायाः दार्शनिकाधाराः	पूर्णांक 75
इकाई	**पाठ्यविषय**	**अंक**
1-	**शिक्षादर्शनस्य आधुनिकः सम्प्रत्ययः –** शिक्षादर्शनयोः सम्प्रत्ययः, परिभाषाः, प्रकृतिश्च। उभयोः परस्परसम्बन्धः। भारतीयषड्दर्शनानि–सम्प्रत्ययः, तत्त्वानि, मूल्यमीमांसा तथा चैतेषां निहितार्थः। बौद्ध–जैनदर्शनयोः सामान्यपरिचयः।	15
2-	**पाश्चात्यदर्शनस्य मुख्यविचारधाराः –** आदर्शवादः, प्रकृतिवादः, प्रयोजनवादः, यथार्थवादः, तार्किकसापेक्षवादः, अस्तित्ववादः, मार्क्सवादश्च, एतेषां वादानां शिक्षायाः उद्देश्यानि विषयवस्तु शिक्षणविधीनां सन्दर्भे शैक्षिको निहितार्थः।	15
3-	**शैक्षिकविचारकाः दार्शनिकाश्च –** स्वामी विवेकानन्दः, महात्मागांधी, रविन्द्रनाथटैगोरः, जि.कृष्णमूर्तिः, शंकराचार्यः, श्रीअरविन्दघोषः, प्लेटो, अरस्तू, बर्ट्रेलरसेलः च।	15
4-	**भारतीयसंविधानस्य परिप्रेक्ष्ये मूल्यानां विकासः तेषां शैक्षिको निहितार्थश्च –** भारतीयसंविधाने शिक्षा, भारतीयसंविधाने शैक्षिकमूल्यानि, शिक्षाधिनियमः च।	15
5-	**भारतीया ज्ञानमीमांसा, मूल्यमीमांसा, तत्त्वमीमांसा च** ज्ञानमीमांसामूल्यमीमांसातत्त्वमीमांसानां प्रकृतिः, अर्थः, आवश्यकता, शैक्षिकी प्रक्रिया च। ज्ञानमीमांसामूल्यमीमांसातत्त्वमीमांसानां महत्वम् उपादेयता च।	15

सन्दर्भग्रन्थ–

1. शर्मा आर0 ए0 –शिक्षा दर्शन
2. सक्सेना आर0एस0 –शिक्षा सिद्धान्त
3. रस्क0 आर0 एस0 –शिक्षा के दार्शनिकसिद्धान्त
4. पाण्डेय आर0 एस0 –शिक्षा दर्शन
5. झा. किशोरनाथः –शिक्षायाः दार्शनिकाधाराः
6. साडूसोमनाथः –शिक्षायाः दार्शनिकाधाराः, जगदीशपुस्तकालय, जयपुर।
7. द्विवेदी, देवीप्रसाद –प्राच्य शिक्षा दर्शनम्, 2/811
8. मिश्र, लोकमान्य –भारतीयाः शिक्षाशास्त्रिणः, मृगाक्षीप्रकाशन, विराटखण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ।
9. शर्मा, कुलदीप भारतीयशिक्षादर्शनम्, जगदीश पुस्तक सदन, जयपुर।
10. मिश्र, रमाकान्तभारतीयशिक्षादर्शनम् चौखम्बा पब्लिकेशन, नईदिल्ली।

उत्तराखण्डसंस्कृतविश्वविद्यालयः, हरिद्वारम्

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर आधारित पाठ्यक्रम (सत्र 2026–27 से प्रभावी))

आचार्य (एम.ए.) शिक्षाशास्त्रम्

वर्ष–प्रथम (सेमेस्टर –I)

विषयः–शिक्षाशास्त्रम्

प्रश्नपत्र–शिक्षायाः समाजशास्त्रीयाधाराः (कोड–DSCC-02)

क्रेडिट 04, पूर्णांक : 100

सैद्धांतिकः 75, आंतरिक मूल्यांकन 25

DSCC-02	**शिक्षायाः समाजशास्त्रीयाधाराः**	पूर्णांक 75
इकाई	**पाठ्यविषयः**	**अंक**
1-	**शैक्षिकसमाजशास्त्रम् –** शैक्षिकसमाजशास्त्रं समाजशास्त्रीयशिक्षायाः अवधारणाप्रकृतिश्च। सामाजिकसंस्थाः तासां प्रभावकाः, लोकपरम्पराः, समुदायः विभिन्नसंस्थाः मूल्यानि च। सामाजिकसंस्थानां गत्यात्मकवैशिष्ट्यानि, शैक्षिको निहितार्थश्च।शिक्षासम्बन्धे लोकतन्त्रम्, स्वतन्त्रता, राष्ट्रवादः, राष्ट्रियसमन्वयः, अन्ताराष्ट्रियसद्भावश्च।	15
2-	**सामाजिकी अन्तःक्रिया –** सामाजिकसमूहः, अन्यैः समूहैः साकं सम्बन्धः। सामाजिकस्तरीकरणम्, सम्प्रत्ययः, शैक्षिकनिहितार्थः समूहगतिशीलता च। शिक्षा समाजश्च – सामाजिकप्रणालीरूपे। सामाजिकरणप्रक्रियारूपे। सामाजिकविकासप्रक्रियारूपे। शिक्षा राजनीतिश्च। शिक्षा धर्मश्च।	15
3-	**संस्कृतिः –** संस्कृतेः अर्थः प्रकृतिश्च। संस्कृतिपरिप्रेक्ष्ये शिक्षायाः भूमिका। शिक्षायाः सांस्कृतिक– निर्धारकतत्वानि। भारतीया संस्कृतिश्च।	15
4-	**समाजिकपरिवर्तनम् –** अर्थः सम्प्रत्ययश्च। सामाजिकपरिवर्तनस्य प्रमुखकारणानि। भारतीयसन्दर्भे नगरीकरणम्, पश्चिमीकरणम्, आधुनिकीकरणम्, सांस्कृतिकीकरणं च, एतेषां सम्प्रत्ययः शैक्षिको निहितार्थश्च। शिक्षा सांस्कृतिकं परिवर्तनं च।	15
5-	**सामाजिकपरिवर्तनस्य सिद्धान्ताः –** सामाजिकानि आर्थिककारकाणि, शिक्षायाम् एतेषां प्रभावश्च। सामाजिकं परिवर्तनम्। आर्थिकसामाजिकरूपेण वचिंतवर्गः, विशेषरूपेण अनुसूचितजातीनां जनजातीनां–महिलाग्रामीणजनसंख्यानिरीहजनानां परिप्रेक्ष्ये। शैक्षिकावसराणां समानता, सामाजिकसमता शिक्षा च।	15

सन्दर्भग्रन्थ–

1. जायसवाल सीताराम, शिक्षा के समाजशास्त्रीय आधार
2. मिश्र डॉ. भास्कर, शिक्षा संस्कृति, एक सन्दर्भ
3. पाठक डॉ0 आर0 पी0,शिक्षाशास्त्र एक परिचय
4. सक्सेना एन0आर0 स्वरूप,शिक्षा के दार्शनिक एवं समाजशास्त्रीय सिद्धान्त
5. दुबे, एस. सी. शिक्षा का समाजशास्त्र। हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली।
6. मजूमदार, डी. एन. एवं मदान, टी. एन. सामाजिक मानवशास्त्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नईदिल्ली।
7. ओड, एल. के. शिक्षा के समाजशास्त्रीय आधार। राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर।
8. शर्मा, आर. ए. शिक्षा के समाजशास्त्रीय आधार। आर. लालबुकडिपो, आगरा।
9. पाण्डेय, के. पी. शिक्षा के समाजशास्त्रीय आधार, अग्रवाल पब्लिकेशन्स, आगरा।
10. भटनागर, आर. पी. सक्सेना, एन. आर. स्वरूप शिक्षा के समाजशास्त्रीय आधार, आर. लाल बुक डिपो, आगरा।

उत्तराखण्डसंस्कृतविश्वविद्यालयः, हरिद्वारम्

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर आधारित पाठ्यक्रम (सत्र 2026–27 से प्रभावी)

आचार्य (एम.ए.) शिक्षाशास्त्रम्

वर्ष–प्रथम (सेमेस्टर –I)

विषयः–शिक्षाशास्त्रम्

प्रश्नपत्र–शैक्षिकं व्यावसायिकं निर्देशनम् (कोड–DSE-01)

क्रेडिट 04, पूर्णांक : 100

सैद्धांतिकः 75, आंतरिक मूल्यांकन 25

DSE-01	शैक्षिकं व्यावसायिकं निर्देशनम्	पूर्णांक 75
इकाई	पाठ्यविषय	अंक
1-	**निर्देशनम्–** अर्थः, सम्प्रत्ययः, सिद्धान्ताः, आवश्यकता महत्त्वं चेति। निर्देशनस्य प्रकाराः– शैक्षिकं निर्देशनम्, व्यावसायिकं निर्देशनम्, व्यक्तिगतं निर्देशनं च। विद्यालयेषु निर्देशनसेवानामायोजनम्, विद्यालयेषु प्रभाविनिर्देशनसेवानामायोजनस्यावश्यकता, सिद्धान्ताः, सोपानानि, युक्तयश्चेति।	15
2-	**समूहनिर्देशनं परामर्शश्च–** अर्थः, लाभाः, सिद्धान्ताः, समूहनिर्देशनस्य प्रकाराश्च। विशिष्टबालकानां निर्देशनम्– दिव्यांगप्रतिभाशालीमन्दबुद्धिबालकाः। परामर्शः– अर्थः, आवश्यकता, प्रक्रिया, प्रकाराश्चेति। निदेशात्मकपरामर्शः, अनिदेशात्मकपरामर्शः, ऐच्छिकपरामर्शश्च	15
3-	**व्यावसायिकसूचना–** अर्थः, आवश्यकता च। व्यावसायिकसूचनाप्रदानस्य विधयः, भारते व्यावसायिकसूचनायाः स्रोतांसि। वृत्तिकविश्लेषणस्यार्थः, प्रकाराः, उद्देश्यानि च।	15
4-	**वृत्तिः नियोजनं च–** वृत्तिकी सन्तुष्टिः– अर्थः, कार्यसन्तुष्टिं प्रभावकानि कारकाणि। वृत्तिकं विश्लेषणम्–अर्थः, प्रकाराः, उद्देश्यानि च। नियोजनम्, सेवाः, अर्थः, कार्याणि, सिद्धान्ताः।	15
5-	**अनुवर्तिसेवाः–** अर्थः, उद्देश्यानि, विशेषताः। सूचनासम्बन्धिप्रदत्तानां संग्रहस्य प्रमापीकृताप्रमापीकृततकनीकी, व्यक्ति–अध्ययनम्, एनेक्डोटल, रिकार्ड्स (अभिलेखाः) निर्धारणमापनी (रेटिंग स्केल) समाजमितिविधिः, प्रश्नावली, निरीक्षणम्, साक्षात्कारः, संचयी–अभिलेखाः।	15

सन्दर्भग्रन्थः–

1. डॉ. सी. ओबरायः, शैक्षिक व्यावसायिकं निर्देशनम्, इण्टरनेशनल पब्लिसिंग हाउस।
2. त्रिपाठी मधुसूदन, शिक्षायां निर्देशनं परामर्शः च, ओमेगा, प्रकाशनम् नवदेहली।
3. डॉ. शशिकान्त त्रिपाठी, निर्देशनं परामर्शश्च आदित्य बुक सेण्टर, वाराणसी।
4. जायसवाल, एस. पी., शैक्षिक एवं व्यावसायिक निर्देशन। विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा।
5. शर्मा, आर. ए., शैक्षिक एवं व्यावसायिक निर्देशन तथा परामर्श। आर. लाल बुक डिपो, आगरा।
6. पाण्डेय, के. पी., शैक्षिक एवं व्यावसायिक निर्देशन। अग्रवाल पब्लिकेशन्स, आगरा।
7. भटनागर, आर. पी. एवं सक्सेना, एन. आर. स्वरूप शैक्षिक एवं व्यावसायिक निर्देशन तथा परामर्श, आर. लाल बुक डिपो, आगरा।
8. मुखर्जी, एस. एन., शैक्षिक एवं व्यावसायिक निर्देशन। विश्वविद्यालय प्रकाशन, नई दिल्ली।
9. अग्रवाल, जे. सी., शैक्षिक एवं व्यावसायिक निर्देशन तथा परामर्श। विकास पब्लिशिंग हाउस, नईदिल्ली।
10. सिंह, अरुणकुमार, शैक्षिक एवं व्यावसायिक निर्देशन एवं परामर्श। मोती लाल बनारसीदास, नईदिल्ली।

उत्तराखण्डसंस्कृतविश्वविद्यालयः, हरिद्वारम्

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर आधारित पाठ्यक्रम (सत्र 2026–27 से प्रभावी)

आचार्य (एम.ए.) शिक्षाशास्त्रम्

वर्ष–प्रथम (सेमेस्टर –I)

विषयः–शिक्षाशास्त्रम्

प्रश्नपत्र–शैक्षिकप्रविधिः (कोड–DSE-02)

क्रेडिट 04, पूर्णांक : 100
सैद्धांतिकः 75, आंतरिक मूल्यांकन 25

DSE-02	**शैक्षिकप्रविधिः**	पूर्णांक– 75
इकाई	**पाठ्यविषय**	**अंक**
1-	**शैक्षिकप्रविधिः –** शैक्षिकप्रविधेः अर्थः, सम्प्रत्ययः, क्षेत्राणि च। शैक्षिकप्रविधेः तत्त्वानि, हार्डवेयर साफ्टवेयर च। शैक्षिकप्रविधौ मल्टीमीडिया–उपागमः, अस्य अर्थः, उपयोगः, सीमाश्च।	15
2-	**शिक्षण प्रतिमानानि –** शिक्षणस्य विभिन्नप्रकाराः–सिद्धान्तनिरूपणं, निर्देशनम् अनुबन्धनं प्रशिक्षणम्। शिक्षणस्य आवश्यकता – शिक्षणात् पूर्वं, शिक्षणमध्ये, शिक्षणान्ते च। शिक्षणस्य स्तराः – स्मृतिः, अवबोधः, चिन्तनं च। अभिक्रमितशिक्षणस्य उदभवः, विकासः, प्रकाराः, सिद्धान्ताश्च। अभिक्रमितशिक्षणस्य विकासः –सज्जा, लेखनं, परीक्षणं, मूल्यांकनं च।	15
3-	**शिक्षणव्यवहार परिशोधनम्** – सूक्ष्मशिक्षणं, फ्लैण्डरमहोदयस्य अन्तःक्रियाविश्लेषणम्, अनुरूपणं च। सम्प्रेषणप्रक्रिया – सम्प्रेषणस्य सम्प्रत्ययः, सिद्धान्तः, सम्प्रेषणस्य प्रकाराः, बाधाः, साधनानि, अवरोधनं, कक्षागतसम्प्रेषणस्य अन्तःक्रिया, वाचिकी अवाचिकी च। निर्देशनप्रणालीनिर्माणम्– निर्देशनोद्देश्यानां निर्माणं, निर्देशनप्रणालीकार्यविश्लेषणम्।	15
4-	**निर्देशात्मकयुक्तीनां निर्माणम्** – व्याख्यानं, दलशिक्षणं, परिचर्चा, वादविवादः, सम्मेलनं, टयूटौरियल, ब्रेनस्टार्मिंग। मूल्यांकनपरीक्षणनिर्माणम् – निकषसन्दर्भितं मानकसन्दर्भितपरीक्षणं च।	15
5-	**दूरस्थशिक्षा मुक्ताधिगमश्च –** दूरस्थशिक्षायां शैक्षिकप्रविधिप्रयोगः। दूरस्थमुक्ताधिगमप्रणाल्योः भेदः, छात्रसहायकसेवाः। दूरस्थशिक्षायां मूल्यांकनप्रक्रिया परामर्शः च।	15

सन्दर्भग्रन्थ–

1. डॉ0 पी0एन0 सिंहल एवं डॉ0 हरेन्द्र सिंह, शैक्षिक तकनीकी की आवश्यकताएं एवं प्रबन्ध अर्णव प्रकाशन मन्दिर, दिल्ली
2. श्रीमती जैन स्वाती, शैक्षिक तकनीकी के तत्व एवं प्रबन्ध साधना प्रकाशन मेरठ
3. डॉ0 अग्रवाल एस0, गौड़ यशवन्ती, भावी शिक्षक एवं शिक्षा, श्रीकविता प्रकाशन जयपुर

उत्तराखण्डसंस्कृतविश्वविद्यालयः, हरिद्वारम्

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर आधारित पाठ्यक्रम (सत्र 2026–27 से प्रभावी)

आचार्य (एम.ए.) शिक्षाशास्त्रम्

वर्ष–प्रथम (सेमेस्टर –I)

विषयः–शिक्षाशास्त्रम्

प्रश्नपत्र–शोधपरियोजना–व्यक्तिवृत्ताध्ययनम् (कोड–IAPC-01)

क्रेडिट 04, पूर्णांक : 100
सैद्धांतिकः 75, आंतरिक मूल्यांकन 25

IAPC-01	**शोधपरियोजना–व्यक्तिवृत्ताध्ययनम्**	**पूर्णांकः 75**
इकाई	**पाठ्यविषयः**	**अंक**
1-	व्यक्तित्वचयनं परिचयलेखनम् (दार्शनिक–वैज्ञानिक–समाजसंशोधकशिक्षाविदाम्)	15
2-	साक्षात्काराधारितव्यक्तिवृत्ताध्ययनम् (दार्शनिक–वैज्ञानिक–समाजसंशोधकशिक्षाविदाम्)	15
3-	दार्शनिक–वैज्ञानिक–समाजसंशोधकशिक्षाविदां जीवन–संघर्षः उपलब्धिविश्लेषणं च।	15
4-	शैक्षिकविचाराणां योगदानस्याध्ययनम् (दार्शनिक–वैज्ञानिक–समाजसंशोधकशिक्षाविदाम्)	15
5-	व्यक्तित्वस्य आलोचनात्मकं विश्लेषणं लिखितं प्रतिवेदनम्।	15

उत्तराखण्डसंस्कृतविश्वविद्यालयः, हरिद्वारम्

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर आधारित पाठ्यक्रम (सत्र 2026–27 से प्रभावी)

आचार्य (एम.ए.) शिक्षाशास्त्रम्

वर्ष–प्रथम (सेमेस्टर –II)

विषयः–शिक्षाशास्त्रम्

प्रश्नपत्र– शिक्षायाः मनोवैज्ञानिकाधाराः (कोड–DSCC-03)

क्रेडिट 04, पूर्णांक : 100
सैद्धांतिकः 75, आंतरिक मूल्यांकनः 25

DSCC-03	**शिक्षायाः मनोवैज्ञानिकाधाराः**	पूर्णांकं 75
इकाई	**पाठ्यविषयः**	**अंक**
1	**शिक्षामनोविज्ञानम्** – शिक्षायाः मनोविज्ञानस्य च अर्थः, शिक्षामनोविज्ञानस्य विधयः। शिक्षामनोविज्ञानयोर्मध्ये सम्बन्धः। शैक्षिकमनोविज्ञानस्य क्षेत्राणि। प्रयोगात्मकः विधिः उपचारात्मकविधिः डिफरेंशियलविधिः च। मनौवैज्ञानिकपरिप्रेक्ष्ये मानवविकासः– वंशानुक्रमः वातावरणं च – अर्थः, परिभाषा, सम्बन्धश्च। एतयोः अध्ययनस्य आवश्यकता तथा प्रभावकारकाणि तत्त्वानि।	15
2	**वृद्धिः विकासश्च–** सम्प्रत्ययः, भिन्नता, वैशिष्ट्यानि विकासक्रमे परिवर्तनानि च। विकासस्य प्रक्रिया एवं प्रभावकारकाणि तत्त्वानि , सिद्धान्तः शैक्षिकं महत्त्वं च। बाल्यावस्थायां किशोरावस्थायां च वृद्धिः विकासश्च – शारीरिकः, सामाजिकः, संवेगात्मकः, मानसिकः, सम्प्रत्ययात्मकः, सृजनात्मकः, भाषायिविकासः, तार्किकबुद्धिविश्लेषणं च।	15
3	**अधिगमः–** अर्थः, परिभाषा, अधिगमस्य प्रभाववकारकाः। अधिगमसिद्धान्ताः, एतेषां शैक्षिकनिहितार्थश्च। पावलवमहोदयस्य शास्त्रीयानुबन्धनम्। स्कीनरमहोदयस्य क्रियाप्रसूताधिगमः। अन्तर्दृष्टिसिद्धान्तः। हल्लमहोदयस्य पुनर्बलनसिद्धान्तः। लेविनमहोदयस्य क्षेत्रसिद्धान्तः। गैनेमहोदयस्य अधिगमपदानुक्रमिता। अभिप्रेरणायाः अर्थः, परिभाषा, अभिप्रेरणायाः प्रभाववकारकाः सम्प्रत्ययश्च। अभिप्रेरणायाः सिद्धान्ताः। शारीरिकसिद्धान्तः। मुरेमहोदयस्य आवश्यकतायाः सिद्धान्तः। मनोविश्लेषणात्मकसिद्धान्तः। मैस्लोमहोदयस्य आवश्यकतापदानुक्रमितायाः सिद्धान्तः।	15
4	**वैयक्तिकभिन्नताः** – सम्प्रत्ययः क्षेत्राणि च। वैयक्तिकभिन्नतायाः निर्धारकतत्त्वानि। शैक्षिककार्यक्रमाणाम् आयोजने वैयक्तिकभिन्नतायाः महत्त्वम्। **सृजनात्मकता** – सम्प्रत्ययः, वैशिष्ट्यं, विकासः, शिक्षायां महत्त्वं च।	15
5	**बुद्धिः व्यक्तित्वं च** – बुद्धेः अर्थः, सम्प्रत्ययः, परिभाषा प्रकृतिश्च। सिद्धान्ताः – द्विकारकसिद्धान्तः, बहुकारकसिद्धान्तः, समूहकारकसिद्धान्तः, गिलफोर्डमहोदयस्य बुद्धिसंरचना च। बुद्धेः मापनम् (द्वे वाचिकपरीक्षणे द्वे अवाचिकपरीक्षणे च) व्यक्तित्त्वस्य अर्थः सम्प्रत्ययः, परिभाषाः निर्धारकतत्त्वानि च। प्रकाराः गुणसिद्धान्ताश्च। व्यक्तित्त्वपरीक्षणम् (आत्मनिष्ठविधयः प्रक्षेपिविधयः च) मानसिकस्वास्थ्यविज्ञानम् – अभिप्रायः उद्देश्यानि, वैशिष्ट्यानि, प्रभावकारकाश्च। समायोजनं समायोजनप्रक्रिया च।	15

सन्दर्भग्रन्थाः –

1. भटनागर, नरेश – शिक्षा मनोविज्ञान, रस्तोगी प्रकाशन मेरठ, उ0प्र0
2. गुप्ता एस0पी0 – शिक्षा मनोविज्ञान, शारदा पुस्तक मन्दिर, विश्वविद्यालय मार्ग
3. माथुर एस0 एस0 – शिक्षा मनोविज्ञान, विनोद पुस्तक मन्दिर आगरा उ0प्र0
4. सारस्वतमालती – शिक्षा मनोविज्ञान की रूपरेखा आलोक प्रकाशन इलाहाबाद
5. मिश्रा डॉ0 लोकमान्य – आधुनिक शिक्षा मनोविज्ञान मृगाक्षी प्रकाशन लखनऊ।
6. डॉ0 सिंह फतेह – शिक्षा मनोविज्ञानम् आदित्य प्रकाशनम् जयपुर।

उत्तराखण्डसंस्कृतविश्वविद्यालयः, हरिद्वारम्

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर आधारित पाठ्यक्रम (सत्र 2026–27 से प्रभावी)

आचार्य (एम.ए.) शिक्षाशास्त्रम्

वर्षम्–प्रथमम् (सेमेस्टर –II)

विषयः–शिक्षाशास्त्रम्

प्रश्नपत्र–भारतीयशिक्षायाः समसामयिकसन्दर्भाः (कोड–DSCC-04)

क्रेडिट 04, पूर्णांक : 100
सैद्धांतिकः 75, आंतरिक मूल्यांकन 25

DSCC-04	**भारतीयशिक्षायाः समसामयिकसन्दर्भाः**	**पूर्णांक** 75
इकाई	**पाठ्यविषय**	**अंक**
1-	**भारते शिक्षा–** वैदिककालः, बौद्धकालः, मध्यकालश्च। एतेषु कालेषु शिक्षायाः स्वरूपं, गुणाः, दोषाश्च। ग्राह्याः अंशाः। वुड्घोषणापत्रम् – (1854) भारतीयशिक्षा–आयोगः (1882) परामर्शाः, शिक्षायाः विकासस्योपरि प्रभावः। आधुनिकभारते शिक्षाव्यवस्था।	15
2-	**राष्ट्रियचेतनायाः विकासः –** राष्ट्रिय–शिक्षा–आन्दोलनम्। लार्डकर्जनमहोदयस्य शिक्षानीतिः, सैडलर–आयोगस्य प्रतिवेदनम् (1917) अस्यावश्यकप्रविधानानि। हर्टागसमितिः (1929) अस्य परामर्शाः।	15
3-	**भारतीयशिक्षायाः रूपरेखा –** वर्धायोजना (1937) सार्जेण्टप्रतिवेदनम् (1944) स्वतन्त्रताकाले भारतीयशिक्षायाः स्थितिः।	15
4-	**स्वतन्त्रभारते शिक्षायोगाः –** माध्यमिकशिक्षायोगः 1954–56। भारतीयशिक्षायोगः– 1964–66। भारते शिक्षानीतयः राष्ट्रियशिक्षानीतिः – 1968, 1986, राष्ट्रियशिक्षानीतिः– 2020 च।	15
5-	**भारते शिक्षाविकाससन्दर्भाः –** शिक्षायाः सार्वभौमिकरणम् अन्यसम्बद्धाः विषयाश्च यथा– प्राथमिकशिक्षायां साक्षरता। शिक्षायाः व्यावसायीकरणम्। बालिकानां शिक्षा। दूरस्थशिक्षाप्रणाली, मुक्ताधिगमः (ओपन लर्निंग)। शिक्षायाः माध्यमः – भाषाचयनसम्बद्धविषयाः, त्रिभाषासूत्रम्। वैश्विकसन्दर्भे भावात्मकैकता तथा च अन्ताराष्ट्रियावबोधः।	15

सन्दर्भग्रन्थाः–

1- प्रो. लोकमान्य मिश्र–पुरातनीशिक्षा, मृगाक्षीप्रकाशन, लखनऊ।
2- Sodhi T.S. 1988- A text book of comparative Education. New Delhi A.I.U. IGNOU
3- Denis I 1986 - School Curriculum Planning. Landon.
4- झा., सुरेन्द्र–वैदिकशिक्षा पद्धति, वाणी प्रकाशन, विराट खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ।

उत्तराखण्डसंस्कृतविश्वविद्यालयः, हरिद्वारम्

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर आधारित पाठ्यक्रम (सत्र 2026–27 से प्रभावी)

आचार्य (एम.ए.) शिक्षाशास्त्रम्

वर्ष–प्रथम (सेमेस्टर –II)

विषयः–शिक्षाशास्त्रम्

प्रश्नपत्र– शैक्षिकप्रशासनं प्रबन्धश्च (कोड–DSE-03)

क्रेडिट 04, पूर्णांक : 100
सैद्धांतिक: 75, आंतरिक मूल्यांकन 25

DSE-03	**शैक्षिकप्रशासनं प्रबन्धश्च**	**पूर्णांक** 75
इकाई	**पाठ्यविषय**	**अंक**
1-	**शैक्षिकप्रशासनम्** – शैक्षिकप्रशासनस्य अर्थः प्रकृतिश्च। क्षेत्रम्, आवश्यकता कार्याणि च। प्रबन्धनप्रशासनपर्यवेक्षणयोजनासु अन्तःसम्बन्धः।	15
2-	**शैक्षिकप्रशासनस्य प्रक्रिया** – शैक्षिकप्रशासनसम्बद्धानाम् आधुनिकसम्प्रत्ययानां विकासः, प्रक्रियारूपे प्रशासनम्। प्रशासनस्य मानवीयसंसाधनैः साकं सम्बन्धः। कर्मकराणां मनोवैज्ञानिकावश्यकतानां पूर्त्तिः।	15
3-	**नेतृत्वम्** – अर्थः, आवश्यकता, महत्त्वं च। नेतृत्वसिद्धान्ताः नेतृत्त्वशैली नेतृत्त्वमापनम् शैक्षिकपर्यवेक्षणम् – शैक्षिकपर्यवेक्षणस्य अर्थः प्रकृतिश्च। पारम्परिकम् आधुनिकं च पर्यवेक्षणम्। शैक्षिकपर्यवेक्षणस्य आवश्यकता कार्याणि च।	15
4-	**पर्यवेक्षणम्**– पर्यवेक्षणसम्बद्धकार्यक्रमस्य योजना, व्यवस्थापनं क्रियान्वयनं च। शैक्षिकपर्यवेक्षणस्य मूल्याकंनं प्रतिवेदनं च। शैक्षिकपर्यवेक्षणस्य सिद्धान्ताः।	15
5-	**शैक्षिकनियोजनम्**– अर्थः, प्रकृतिः, आवश्यकता समस्याश्च। शैक्षिकनियोजनायाः महत्ता प्रक्रिया च। शैक्षिकयोजनायाः उपागमाः। शैक्षिकनियोजनस्य प्रकाराः– सांस्थानिकं नियोजनं शैक्षिकनियोजनस्य आवश्यकता च।	15

सन्दर्भग्रन्थाः –

1. मिश्रा मंजू – विद्यालय प्रशासन एवं स्वास्थ्य शिक्षा, ओमेगा प्रकाशन, नई दिल्ली
2. सिंह श्याम – विद्यालय संगठन एवं प्रबन्ध, ओमेगा प्रकाशन, नई दिल्ली

उत्तराखण्डसंस्कृतविश्वविद्यालयः, हरिद्वारम्

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर आधारित पाठ्यक्रम (सत्र 2026–27 से प्रभावी)

आचार्य (एम.ए.) शिक्षाशास्त्रम्

वर्ष–प्रथम (सेमेस्टर –II)

विषयः–शिक्षाशास्त्रम्

प्रश्नपत्र–विशिष्टशिक्षा (कोड–DSE-04)

क्रेडिट 04, पूर्णांक : 100
सैद्धांतिकः 75, आंतरिक मूल्यांकन 25

DSE-04	विशिष्टशिक्षा	पूर्णांक 75
इकाई	**पाठ्यविषय**	**अंक**
1-	**विशिष्टशिक्षायाः सम्प्रत्ययः विषयवस्तु –** विशिष्टतायाः प्रकारः। सकारात्मकः, नकरात्मकश्च। विशिष्टबालकानाम् आवश्यकता। विशिष्टबालकानाम् समस्याः समाधानानि च। विशिष्टशिक्षायाः प्रकृतिः – विशिष्टशिक्षायाः इतिहासः, उद्देश्यानि च। विशिष्टशिक्षायाः क्षेत्रम्। विशिष्टशिक्षायाः विभिन्नकार्यक्रमाः समन्वितशिक्षा, समग्रशिक्षा, समावेशात्मिका शिक्षा च।	15
2-	**दिव्यांगबालकानां शिक्षा –** सम्प्रत्ययः, विशेषताः, दिव्यांगतायाः कारणानि, शिक्षणविधयः प्रशिक्षणकार्यक्रमाः च।	15
3-	**मन्दबुद्धिबालकानां शिक्षा –** सम्प्रत्ययः, वर्गीकरणं, मन्दबुद्धिकारणेन अध्ययने बाधाः, मंदबुद्धिबालकानां कृते शैक्षिककार्यक्रमाः, मंदबुद्धिबालकानां प्रशिक्षणकार्यक्रमाः च। दृष्टिबाधितबालकानां शिक्षा – सम्प्रत्ययः विशेषताश्च। अन्धताश्रेणी – दृष्टिदोषस्य कारणं बाधाश्च। एतेषां शैक्षणिककार्यक्रमाः।	15
4-	**श्रवणबाधितबालकानां शिक्षा –**विशेषताः, प्रकाराः, अभिज्ञानं, शिक्षा तथा परिष्कारात्मककार्यक्रमाः। अधिगमाक्षमबालकानां शिक्षा – विशेषताः, प्रकाराः, अभिज्ञानं शिक्षा तथा परिष्कारात्मककार्यक्रमाश्च।	15
5-	**प्रतिभाशालिनां तथा सृजनशीलबालकानां शिक्षा –** विशेषताः, प्रकाराः, अभिज्ञानं शिक्षा तथा परिष्कारात्मककार्यक्रमाश्च। शिक्षायां बालापराधश्च – विशेषताः, प्रकाराः, अभिज्ञानं शिक्षा तथा परिष्कारात्मककार्यक्रमाश्च। विशेषताः, प्रकाराः, अभिज्ञानं, शिक्षा, परिष्कारात्मककार्यक्रमाश्च। विशिष्टबालकानां कृते निर्देशनं परामर्शश्च।	15

सन्दर्भग्रन्थाः –

1- M.H.R.D (1993) - Seleted Education Study Ministry of Education Govt. of India.

उत्तराखण्डसंस्कृतविश्वविद्यालयः, हरिद्वारम्

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर आधारित पाठ्यक्रम (सत्र 2026–27 से प्रभावी)

आचार्य (एम.ए.) शिक्षाशास्त्रम्

वर्ष–प्रथम (सेमेस्टर –II)

विषयः–शिक्षाशास्त्रम्

प्रश्नपत्र–शोधपरियोजना (कोड IAPC-02)

क्रेडिट 04, पूर्णांक : 100
सैद्धांतिकः 75, आंतरिक मूल्यांकन 25

IAPC-02	**शोधपरियोजना–शोधोपकरणनिर्माणम्**	**पूर्णांकः** 100
01	कस्यापि शैक्षिकचरस्य मापनाय शोधोपकरणनिर्माणं, पायलटपरीक्षणं प्रारम्भिकप्रमाणीकरणं च।	75

उत्तराखण्डसंस्कृतविश्वविद्यालयः, हरिद्वारम्

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर आधारित पाठ्यक्रम (सत्र 2026–27 से प्रभावी)

आचार्य(एम.ए.) शिक्षाशास्त्र

वर्ष–द्वितीय (सेमेस्टर –III)

विषयः–शिक्षाशास्त्रम्

प्रश्नपत्र–तुलनात्मकशिक्षा कोड–DSCC-05

क्रेडिट 04, पूर्णांक : 100
सैद्धांतिक: 75, आंतरिक मूल्यांकन 25

DSCC-05	**तुलनात्मक–शिक्षा**	**पूर्णांक 75**
इकाई	**पाठ्यविषय**	**अंक**
1-	**तुलनात्मकशिक्षायाः स्वरूपम्** – तुलनात्मकशिक्षायाः सम्प्रत्ययः उद्देश्यानि च। तुलनात्मकशिक्षायाः आवश्यकता तथा क्षेत्राणि। शिक्षाव्यवस्थायाः प्रभावकारि–कारकाः। तुलनात्मकशिक्षायाः ऐतिहासिकविकासः। तुलनात्मकशिक्षायाः उपागमाः– ऐतिहासिकोपागमः, दार्शनिकोपागमः, समाजशास्त्रीयोपागमः च। शिक्षाव्यवस्थायाः महत्त्वपूर्णप्रविधानानि–अमेरिका–भारतयोः सन्दर्भे।	15
2-	**भारते विदेशेषु च तुलनात्मकशिक्षा** – भारत–ब्रिटेन–अमेरिकादेशेषु पूर्वप्राथमिकशिक्षा। एतेषाम् उद्देश्यानि, विषयवस्तूनि, शिक्षणविधयः तथा मूल्यांकनम्। प्राथमिकशिक्षायाः सार्वभौमीकरणं तथा भारतदेशे अस्य शैक्षिकनिहितार्थः। भारत–ब्रिटेन–अमेरिकादेशेषु माध्यमिकशिक्षायाः स्वरूपम्।	15
3-	**भारते विदेशेषु च उच्चशिक्षा** – ब्रिटेन–यू.एस.ए.–भारतदेशेषु उच्चशिक्षा। ब्रिटेन–अमेरिका–भारतस्य विशेषसन्दर्भे दूरस्थशिक्षायाः सम्प्रत्ययः, आवश्यकताश्च। ब्रिटेन–अमेरिका–भारतदेशेषु शैक्षिकं प्रशासनम्। ब्रिटेन–अमेरिका–भारतदेशेषु अध्यापकशिक्षा।	15
4-	**रूसदेशे शिक्षायाः स्वरूपम्** – रूसदेशस्य प्राथमिकमाध्यमिकोच्चशिक्षायाः व्यवस्था। रूसदेशे शिक्षायाः नियन्त्रणम्, अध्यापकशिक्षा, अध्यापकानां स्थितिः, प्रौढशिक्षा च। भारतरूसदेशयोः शिक्षाव्यवस्थायाः तुलनात्मकविश्लेषणम्।	15
5-	**फ्रान्सदेशे शिक्षायाः स्वरूपम्** – फ्रान्सदेशे शिक्षायाः विकासः। फ्रान्सदेशस्य प्राथमिकशिक्षायाः, माध्यमिकशिक्षायाः, उच्चशिक्षायाश्च व्यवस्था। फ्रान्सदेशे अध्यापकशिक्षा अध्यापकानां स्थितिः च। फ्रान्सदेशे शिक्षायाः समस्याः। भारतफ्रान्सदेशयोः शिक्षाव्यवस्थायाः तुलनात्मकं विश्लेषणम्।	15

सन्दर्भग्रन्थाः –

1 डॉ. सरयूप्रसाद चौबे, तुलनात्मक शिक्षा, 2015, श्री विनोद पुस्तक मन्दिर

2 Cramer I.F. and Brown G.S (1965)- Contemparary Education A comparative study of National system, New york.

उत्तराखण्डसंस्कृतविश्वविद्यालयः, हरिद्वारम्

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर आधारित पाठ्यक्रम (सत्र 2026–27 से प्रभावी)

आचार्य(एम.ए.) शिक्षाशास्त्र

वर्ष–द्वितीय (सेमेस्टर –III)

विषय–शिक्षाशास्त्रम्

प्रश्नपत्र–शैक्षिकमापनं मूल्यांकनं च (कोड–DSCC-06)

क्रेडिट 04, पूर्णांक : 100
सैद्धांतिकः 75, आंतरिक मूल्यांकन 25

DSCC-06	**शैक्षिकमापनं मूल्यांकनं च**	**पूर्णांक 75**
इकाई	**पाठ्यविषय**	**अंक**
1-	**शैक्षिकं मापनं मूल्यांकनं च –** शैक्षिकमापनस्य मूल्यांकनस्य च आधारभूताः अवधाराणाः, अर्थः प्रकृतिश्च। मापनपरीक्षणमूल्यांकनेषु भेदः। शैक्षिकमूल्यांकनस्य महत्वम् आवश्यकता च। अधिगमप्रतिफलं मूल्यांकनं च। राष्ट्रीयशिक्षानीतौ (2020) मूल्यांकनस्य अवधारणा।	15
2-	**शैक्षिकपरीक्षणानां निर्माणम् – अर्थः विशेषताः गुणाः च।** उपलब्धिपरीक्षणस्य अर्थः निर्माणप्रक्रिया च। परीक्षणनिर्माणस्य चरणानि। प्रश्नानां प्रकाराः निबन्धात्मकाः वस्तुनिष्ठाश्च। प्रश्नपत्रनिर्माणस्य प्रक्रिया। ब्लूप्रिंटनिर्माणम्। अंकनमूल्यांकनयोजना।	15
3-	**परीक्षणानां सांख्यिकीयाधाराः –** सांख्यिक्याः अर्थः शैक्षिकमहत्वं च। केन्द्रीयप्रवृत्तेः मापनानि। मध्यमानं मध्यांकः बहुलांकश्च। प्रसरणस्य मापनम् – परास, चतुर्थकविचलनं मानकविचलनं च। सामान्यसम्भाव्यतावक्रम्। प्रतिशतांकः प्रतिशतकश्रेणी च। टीपरीक्षणम्। परीक्षणपरिणामानां व्याख्या।	15
4-	**परीक्षणानां गुणवत्ता मानकीकरणं च –**विश्वसनीयता, वैधता, वस्तुनिष्ठता, उपयोगिता च। परीक्षणस्य मानकीकरणम। मानकस्य अर्थः प्रकारश्च। मदविश्लेषणम्। कठिनतास्तरः। विभेदकशक्तिः।	15
5-	**आधुनिकमूल्यांकनप्रविधयः –** सततव्यापकमूल्यांकनं, निर्माणात्मकं संकलनात्मकं मूल्यांकनं, निकष–सन्दर्भितं मानदण्ड–सन्दर्भितमूल्यांकनम्, आन्तरिकं बाह्यमूल्यांकनं, पोर्टफोलियोमूल्यांकनं, परियोजनाधारितं मूल्यांकनं, प्रदर्शनाधारितं मूल्यांकनं स्वमूल्यांकनं सहपाठिमूल्यांकनं, डिजिटलमूल्यांकनम् ऑनलाइन मूल्यांकनं च। राष्ट्रियशिक्षानीतौ (2020) मूल्यांकनपरिष्कारः।	15

सन्दर्भग्रन्थाः –

1. अग्रवाल, जे. सी. (2019). शैक्षिक मापन एवं मूल्यांकन। नई दिल्ली, विकास पब्लिशिंग हाउस।
2. भटनागर, आर. पी. एवं अग्रवाल, विद्या (2018) शैक्षिक मूल्यांकन, मापन एवं परीक्षण। मेरठ, आर. लाल बुकडिपो।
3. शर्मा, आर. ए. (2020). शिक्षा में मापन एवं मूल्यांकन। मेरठ, आर. लाल बुक डिपो।
4. पाण्डेय, के. पी. (2017). शैक्षिक एवं मनोवैज्ञानिक मापन। आगरा, विनोद पुस्तक मन्दिर।
5. सिंह, अरुण कुमार (2018). मनोविज्ञान, समाजशास्त्र तथा शिक्षा में अनुसंधान विधियाँ। दिल्ली, मोतीलाल बनारसीदास।
6. यादव, मोहनलाल (2019). शैक्षिक एवं मनोवैज्ञानिक सांख्यिकी। आगरा, विनोद पुस्तकमन्दिर।
7. गुप्ता, एस. पी. (2020). सांख्यिकीय विधियाँ। इलाहाबाद, शारदा पुस्तक भवन।
8. माथुर, एस. एस. (2018). शैक्षिक अनुसंधान एवं सांख्यिकी। आगरा, अग्रवाल पब्लिकेशन।
9. शर्मा, शशिप्रकाश (2019). शिक्षा में परीक्षण एवंमूल्यांकन। जयपुर, राजस्थान हिन्दीग्रन्थ अकादमी।
10. रावत, पी. एल. (2017). शिक्षा एवं मनोविज्ञान में सांख्यिकी। आगरा, रामप्रसाद एण्ड सन्स।

उत्तराखण्डसंस्कृतविश्वविद्यालयः, हरिद्वारम्

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर आधारित पाठ्यक्रम (सत्र 2026–27 से प्रभावी)

आचार्य(एम.ए.) शिक्षाशास्त्रम्

वर्ष–द्वितीय (सेमेस्टर –III)

विषय–शिक्षाशास्त्रम्

प्रश्नपत्र–अध्यापकशिक्षा (कोड–DSE-5)

क्रेडिट 04, पूर्णांक : 100
सैद्धांतिकः 75, आंतरिक मूल्यांकन 25

DSE-5	अध्यापकशिक्षा	पूर्णांक 75
इकाई	**पाठ्यविषय**	**अंक**
1-	**अध्यापकशिक्षायाः अर्थः सम्प्रत्ययश्च –** अध्यापकशिक्षायाः ऐतिहासिकविकासः। कोठारी–आयोगः, नवशिक्षानीतेः (1986) कार्ययोजना, संशोधितनवशिक्षानीतौ (1992), अध्यापकशिक्षायाः कृते परामर्शाः। राष्ट्रीयशिक्षानीतौ (NEP2020) अध्यापकशिक्षा। **अध्यापकशिक्षायाः लक्ष्यं –** प्राथमिकमाध्यमिकउच्चस्तरेषु उद्देश्यानि।	15
2-	**शिक्षायाः व्यावसायिकरणम् –** शिक्षकसंस्थानाम् उद्देश्यानि, व्यावसायिकसंस्थानाम् आवश्यकता, कार्मिकोन्मुखीकरणम्, शिक्षककार्यनिष्पादनमूल्यांकनम्, अध्यापकशिक्षायां कार्यानुभवः (इन्टर्नशिप) सेवापूर्वसेवारत–अध्यापकशिक्षा, अभिविन्यासपुनश्चर्यापाठ्यक्रमाश्च।	15
3-	**भारते अध्यापकशिक्षा** – शिक्षणव्यवसायः अध्यापकशिक्षा च। भारते अध्यापकशिक्षायाः पाठ्यक्रमस्य विकासः। प्रभावपूर्णसम्प्रेषणाय अध्यापकानाम् अभिक्षमतायाः विकासः। अध्यापकशिक्षायाम् अनुसन्धानम्। दूरस्थशिक्षामाध्यमेन अध्यापकशिक्षा।	15
4-	**भारते अध्यापकप्रशिक्षणसंस्थानानि** – सेवारताध्यापकशिक्षायाः विभिन्नाभिकरणानि। शिक्षणाभ्यासस्य उद्देश्यानि क्रियान्वयनं च। अध्यापकशिक्षायाम् अभ्यासविद्यालयानां समस्याः। अध्यापकशिक्षायां निर्देशनयुक्तयः – व्याख्यानं, वाद–विवादः, परिचर्चा च।	15
5-	**अध्यापकशिक्षायाम् अनुसन्धानक्षेत्राणि –**शिक्षकप्रभावशीलता। अध्यापकशिक्षायां प्रवेशसमस्याः। अध्यापकव्यवहारस्य परिशोधनम्। विद्यालयप्रभावशीलता। अध्यापकशिक्षायाः वर्तमानस्वरूपम्। अध्यापकशिक्षा भारतीयज्ञानपरम्परा च।	15

सन्दर्भग्रन्थाः –

1. शास्त्री, के0एन0, अध्यापक शिक्षा, प्रेरणा प्रकाशन, रोहिणी दिल्ली
2. सिंह डॉ0 मया शंकर, अध्यापक शिक्षा की चुनौतियां, अध्ययन पब्लिशर्स एण्ड डिस्ट्रीब्यूटर्स नई दिल्ली
3. महर्षि सतोषकुमार, अध्यापकशिक्षा, नेहा पब्लिशर्स एण्ड डिस्ट्रीब्यूटर्स नई दिल्ली
4. सिंह डॉ0 मया शंकर, अध्यापक शिक्षा में गुणवत्ता का विकास, अध्ययन पब्लिशर्स एण्ड डिस्ट्रीब्यूटर्स नई दिल्ली
5. पाण्डेय, के. पी. (2019). अध्यापक शिक्षा। आगरा विनोद पुस्तक मन्दिर।
6. शर्मा, आर. ए. (2020). अध्यापक शिक्षा। मेरठ आर. लाल बुक डिपो।
7. भटनागर, ए. बी. एवं सक्सेना, एन. आर. स्वरूप (2018). अध्यापक शिक्षा के सिद्धान्त एवं व्यवहार। मेरठसूर्या पब्लिकेशन।
8. अग्रवाल, जे. सी. (2019). शिक्षक शिक्षा एवं व्यावसायिक विकास। नई दिल्ली विकास पब्लिशिंग हाउस।
9. सिंह, एल. सी. (2017). भारतीय परिप्रेक्ष्य में अध्यापकशिक्षा। नई दिल्ली कॉन्सेप्ट पब्लिशिंग कम्पनी।
10. माथुर, एस. एस. (2018). शिक्षक शिक्षा का दर्शन एवं व्यवहार। आगरा विनोद पुस्तक मन्दिर।

उत्तराखण्डसंस्कृतविश्वविद्यालयः, हरिद्वारम्

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर आधारित पाठ्यक्रम (सत्र 2026–27 से प्रभावी)

आचार्य(एम.ए.) शिक्षाशास्त्रम्

वर्ष–द्वितीय (सेमेस्टर –III)

विषय–शिक्षाशास्त्रम्

प्रश्नपत्र–मानवाधिकारशिक्षा (कोड–DSE-6)

क्रेडिट 04, पूर्णांक : 100
सैद्धांतिकः 75, आंतरिक मूल्यांकन 25

DSE-6	मानवाधिकारशिक्षा	पूर्णांक 75
इकाई	**पाठ्यविषय**	**अंक**
1-	**मानवाधिकारस्य अवधारणा विकासश्च –** अर्थः, परिभाषाः, अवधारणा प्रकृतिः विशेषताः च। मानवाधिकारस्य प्रमुखसिद्धान्ताः आधाराश्च। मानवाधिकारः मानवीयगरिमा च। मानवाधिकारः मौलिकस्वतंत्रता चेति। मानवाधिकाराणाम् ऐतिहासिकविकासः। मानवाधिकाराणां सार्वभौमिकघोषणापत्रम् (UDHR 1948)। मानवाधिकाराणां प्रकाराः – नागरिक–राजनीतिक,–आर्थिक–सामाजिक–सांस्कृतिक–अधिकाराः। मानवाधिकारः लोकतंत्रं च। मानवाधिकारः सामाजिकन्यायश्च।	15
2-	**भारतीयसन्दर्भे मानवाधिकाराः –** भारतीयसंविधानं मानवाधिकाराश्च। संविधाने मौलिकाधिकाराः। राज्यस्य नीतिनिर्देशकतत्त्वानि, मौलिककर्तव्यानि मानवाधिकाराः च। समानतायाः, सामाजिकन्यायस्य, स्वतंत्रतायाः च अधिकाराः मानवगरिमा च। शिक्षायाः अधिकाररूपेण मानवाधिकाराः। भारतीयसमाजे मानवाधिकाराणां स्थितिः। राष्ट्रियमानवाधिकाराऽऽयोगस्य संरचना कार्याणि च। राज्यमानवाधिकाराऽऽयोगस्य भूमिका।	15
3-	**मानवाधिकारशिक्षा –** अर्थः, अवधारणा, उद्देश्यानि, आवश्यकता महत्वं च। मानवाधिकारशिक्षायाः प्रमुखसिद्धान्ताः। मानवाधिकारशिक्षायां लोकतन्त्रं, मूल्यशिक्षा, शान्तिशिक्षा च। विद्यालयीयशिक्षायाम् उच्चशिक्षायां शिक्षकशिक्षायां च मानवाधिकारशिक्षा। मानवाधिकाराणां विषये सामाजिकजागरूकतायां शिक्षकस्य भूमिका।	15
4-	**मानवाधिकाराः वंचितवर्गश्च –** महिलानां, बालानां, अनुसूचितजातिजनजातीनाम्, अल्पसंख्यकानां, वृद्धानां, दिव्यांगजनानां श्रमिकाणाम् अधिकाराः। शिक्षया वंचितवर्गाणां अधिकाराः। लैंगिकसमानता मानवाधिकाराश्च। मानवाधिकारसंरक्षणे परिवारस्य, विद्यालयस्य, समुदायस्य शिक्षकस्य च भूमिका।	15
5-	**मानवाधिकारशिक्षा समकालीनसमस्याश्च –** मानवाधिकारशिक्षायाः शिक्षणविधियः – चर्चा, वाद–विवादः, परियोजना, अभिनयविधिः च। मानवाधिकारशिक्षायां संचारमाध्यमानां भूमिका। वैश्वीकरणं पर्यावरणं मानवाधिकारश्च। राष्ट्रियशिक्षानीतौ 2020 मानवाधिकारशिक्षा। मानवाधिकारशिक्षायाः समस्याः समाधानानि च।	15

सन्दर्भग्रन्थाः –

1. अग्रवाल, जे. सी. मानवाधिकार शिक्षा, नई दिल्ली, विकास पब्लिशिंग हाउस।
2. शर्मा, आर. ए., मानवाधिकार एवं शिक्षा, मेरठ, आर. लाल बुक डिपो।
3. पाण्डेय, के. पी. मानवाधिकार शिक्षा सिद्धान्त एवं व्यवहार। आगरा, विनोद पुस्तक मन्दिर।
4. सिंह, एल. सी. मानवाधिकार एवं भारतीय संविधान, नई दिल्ली, प्रकाशन संस्थान।
5. भटनागर, आर. पी. मानवाधिकार शिक्षा एवं सामाजिक न्याय, आगरा, विनोद पुस्तक मन्दिर
6. सक्सेना, एन. आर. स्वरूप., मानवाधिकार एवं मूल्य शिक्षा, मेरठ, सूर्या पब्लिकेशन।
7. चौबे, एस. पी., मानवाधिकार शिक्षा अवधारणा एवं समकालीन परिप्रेक्ष्य, वाराणसी, विश्वविद्यालय प्रकाशन।
8. भारत सरकार. भारत का संविधान, नई दिल्ली, विधि एवं न्याय मंत्रालय।
9. भारत सरकार. मानवाधिकार संरक्षण अधिनियम, 1993, नई दिल्ली।

10. राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग. मानवाधिकार शिक्षा अध्ययन सामग्री, नई दिल्ली, राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग।

उत्तराखण्डसंस्कृतविश्वविद्यालयः, हरिद्वारम्

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 परआधारितपाठ्यक्रम (सत्र 2026–27 से प्रभावी)

आचार्य(एम.ए.) शिक्षाशास्त्रम्

वर्ष–द्वितीय (सेमेस्टर –III)

विषय–~~शिक्षाशास्त्रम्~~ लघुशोधप्रबन्धः/शोधपत्रलेखनञ्च

प्रश्नपत्र–IAPC-03

क्रेडिट 04, पूर्णांक : 100
सैद्धांतिकः 75, आंतरिक मूल्यांक 25

IAPC-03	**शोधपरियोजना / लघुशोधप्रबन्धः**	पूर्णांक 100
	लघुशोधविषये संगोष्ठीसम्मेलनेषु प्रतिभागिता शोधपत्रलेखनं च	75

उत्तराखण्डसंस्कृतविश्वविद्यालयः, हरिद्वारम्

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर आधारित पाठ्यक्रम (सत्र 2026–27 से प्रभावी)

आचार्य (एम.ए.) शिक्षाशास्त्रम्

वर्ष–द्वितीय (सेमेस्टर –IV)

विषय–शिक्षाशास्त्रम्

प्रश्नपत्र–शिक्षायाम् अनुसन्धानप्रविधिः (कोड–DSCC-7)

क्रेडिट 04, पूर्णांक : 100

सैद्धांतिकः 75, आंतरिक मूल्यांकन 25

DSCC-7	**शिक्षायाम् अनुसन्धानप्रविधिः**	**पूर्णांक 75**
इकाई	**पाठ्यविषय**	**अंक**
1-	**शैक्षिकानुसन्धानस्य अवधारणा –** शैक्षिकानुसन्धानस्य अर्थः, परिभाषा, स्वरूपं, विशेषताश्च। शैक्षिकानुसन्धानस्य आवश्यकता, उद्देश्यानि, महत्त्वं, क्षेत्राणि, प्रकाराश्च। मौलिकानुसन्धानम् अनुप्रयुक्तानुसन्धानम्, क्रियात्मकानुसन्धानम्। मात्रात्मकं गुणात्मकं च अनुसन्धानम्। अनुसन्धानस्य नैतिकताः।	15
2-	**अनुसन्धानस्य समस्या परिकल्पना –** अनुसन्धानसमस्यायाः अर्थः, स्वरूपं च। अनुसन्धानसमस्यायाः चयनम्, परिसीमनं च। अनुसन्धानस्य उद्देश्यनिर्धारणम्। अनुसन्धानप्रश्नानां निर्माणम्। परिकल्पनायाः अर्थः, स्वरूपं च, परिकल्पनायाः प्रकाराः। शून्यपरिकल्पना, वैकल्पिकपरिकल्पना च। चराणाम् अर्थः, प्रकाराः, स्वतन्त्रचरः, आश्रितचरः नियन्त्रितचरश्च।	15
3-	**अनुसन्धानस्य विधयः, न्यादर्शः च –** अनुसन्धानविधेः अर्थः, अवधारणा च। वर्णनात्मकानुसन्धानविधिः, सर्वेक्षणविधिः, प्रयोगात्मकानुसन्धानविधिः ऐतिहासिकानुसन्धानविधिः, प्रकरणाध्ययनविधिश्च। तुलनात्मकानुसन्धानं। गुणात्मकानुसन्धानविधिः। न्यादर्शस्य अर्थः, आवश्यकताः, प्रकाराः च। सम्भाव्यन्यादर्शः असम्भाव्यन्यादर्शश्च।	15
4-	**अनुसन्धानोपकरणानि प्रदत्तसङ्ग्रहः च –** अनुसन्धानोपकरणस्य अर्थः, महत्त्वं च। प्रश्नावलिः, साक्षात्कारः, निरीक्षणविधिः च। परीक्षणं मापनम्, अभिवृत्तिमापनम्, अनुसूची मूल्याङ्कनमापनी। प्रदत्तसङ्ग्रहस्य स्रोतांसि, प्राथमिकप्रदत्तम्, द्वितीयकप्रदत्तम्। अनुसन्धानोपकरणाना विश्वसनीयता वैधता च। अनुसन्धानोपकरणस्य निर्माणं प्रमाणीकरणं च।	15
5-	**प्रदत्तानां विश्लेषणं व्याख्या च, अनुसन्धानप्रतिवेदनम् –** प्रदत्तानां सम्पादनं वर्गीकरणं च। प्रदत्तानां सारणीकरणम्। प्रदत्तविश्लेषणस्य अवधारणा, प्रक्रिया च। प्रदत्तविश्लेषणे सांख्यिकीयविधीनां प्रयोगः, उपयोगिता च। प्रदत्तानां विश्लेषणस्य विभिन्नाः पद्धतयः तासां शैक्षिकमहत्त्वं च। प्रदत्तानां व्याख्यायाः स्वरूपं, प्रक्रिया, अनुसन्धाने तन्महत्त्वं च। परिकल्पनापरीक्षणम्। प्रदत्तानां व्याख्या निष्कर्षनिरूपणं च। अनुसन्धानप्रतिवेदनस्य स्वरूपं संरचना च। अनुसन्धानप्रतिवेदनस्य लेखनविधिः। सन्दर्भग्रन्थसूची उद्धरणविधिः च। अनुसन्धानस्य सीमाः, शैक्षिकनिहितार्थाः परामर्शाश्च।	15

सन्दर्भग्रन्थाः –

1. आर्य, डी. (2008). शैक्षिक अनुसंधान की विधियाँ एवं सांख्यिकी। नई दिल्ली, विकास पब्लिशिंग हाउस।
2. बेस्ट, जॉन डब्ल्यू. एवं कान, जेम्स वी. (2008). शिक्षा में अनुसंधान। नईदिल्ली प्रेंटिसहॉल ऑफ इंडिया।
3. गुप्ता, एस. पी. (2019). शैक्षिक अनुसंधान एवं सांख्यिकी। इलाहाबाद, शारदा पुस्तकभवन।
4. कौल, लोकश (2009). शैक्षिक अनुसंधान की पद्धति। नई दिल्ली, विकास पब्लिशिंग हाउस।
5. मुखर्जी, एस. पी. (2012). शैक्षिक अनुसंधान एवं सांख्यिकी। नई दिल्ली, न्यू एज इंटरनेशनल।
6. शर्मा, आर. ए. (2018). शैक्षिक अनुसंधान। मेरठ, आर. लाल बुक डिपो।
7. सिंह, अरुण कुमार (2017). मनोविज्ञान, समाजशास्त्र तथा शिक्षा में अनुसंधान विधियाँ। नई दिल्ली, मोतीलाल बनारसी दास।
8. सिंह, ए. के. (2015). शैक्षिक अनुसंधान की विधियाँ। आगरा, अग्रवाल पब्लिकेशन।
9. वर्मा, एम. एवं अग्रवाल, डी., (2016). शैक्षिक अनुसंधान एवं सांख्यिकी। आगरा, विनोद पुस्तक मन्दिर।
10. यादव, मोहनलाल (2018). शैक्षिक अनुसंधान एवं सांख्यिकी। जयपुर, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी।

उत्तराखण्डसंस्कृतविश्वविद्यालयः, हरिद्वारम्

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर आधारित पाठ्यक्रम (सत्र 2026–27 से प्रभावी)

आचार्य (एम.ए.) शिक्षाशास्त्रम्

वर्ष–द्वितीय (सेमेस्टर –IV)

विषय–शिक्षाशास्त्रम्

प्रश्नपत्र–शिक्षायां प्रदत्तविश्लेषणस्य विधयः (कोड–DSCC-8)

क्रेडिट 04, पूर्णांक : 100

सैद्धांतिकः 75, आंतरिक मूल्यांकन 25

DSCC-8	**शिक्षायां प्रदत्तविश्लेषणस्य विधयः**	पूर्णांक 75
इकाई	**पाठ्यविषयः**	**अंक**
1-	**प्रदत्त विश्लेषणस्य आधार भूततत्त्वानि** प्रदत्तस्य अर्थः, स्वरूपं विशेषताः च। शैक्षिक प्रदत्तस्य प्रकाराः प्राथमिकं द्वितीयकं च। प्रदत्तसङ्ग्रहस्य स्रोतांसि। प्रदत्तसम्पादनस्य आवश्यकता महत्त्वं च। प्रदत्तानां वर्गीकरणं कोडीकरण सारणीकरणं च। प्रदत्तविश्लेषणस्य अर्थः, उद्देश्यं महत्त्वं च।	15
2-	**वर्णनात्मकप्रदत्तविश्लेषणस्य विधयः** वर्णनात्मकप्रदत्तविश्लेषणस्य अवधारणा, आवृत्तिवितरणस्य स्वरूपम्। प्रतिशतस्य प्रयोगः एवं व्याख्या। सारणीप्रदत्तप्रस्तुतीकरणम् आलेखप्रदत्तप्रस्तुतीकरणं च। स्तम्भचित्रं वृत्तचित्रं रेखाचित्रं च । प्रदत्तानां तुलनात्मकविश्लेषणम्। वर्णनात्मकविश्लेषणस्य शैक्षिकोपयोगिता।	15
3-	**सांख्यिकीयप्रदत्तविश्लेषणस्य विधयः** सांख्यिकीयविश्लेषणस्य अर्थः स्वरूपं च। केन्द्रीयप्रवृत्तेः मापनं मध्यमानं, मध्यांकः बहुलांकः च। विचरणस्य अवधारणा प्रकाराः च। परासस्य मानकविचलनस्य च अवधारणा। सामान्यवितरणस्य अवधारणा। सहसम्बन्धस्य अर्थः प्रकाराः च। प्रदत्तविश्लेषणे सहसम्बन्धस्य उपयोगिता। सांख्यिकीयविश्लेषणस्य शैक्षिकमहत्त्वम्।	15
4-	**गुणात्मकप्रदत्त विश्लेषणस्य विधयः** गुणात्मकप्रदत्तस्य अर्थः, स्वरूपं च। गुणात्मकप्रदत्तसङ्ग्रहस्य प्रमुखस्रोतांसि। विषयवस्तुविश्लेषणम् (Content Analysi)। अन्तर्वस्तुविश्लेषणस्य प्रक्रिया उपयोगिता च। साक्षात्कारप्रदत्तस्य विश्लेषणं, निरीक्षणप्रदत्तस्य विश्लेषणं, प्रकरणाध्ययनप्रदत्तस्य विश्लेषणं च। विषयवर्गीकरणं कोडीकरणं च। गुणात्मकप्रदत्तस्य व्याख्या निष्कर्षनिरूपणं च।	15
5-	**प्रदत्तव्याख्या, निष्कर्षः एवं अनुसन्धान प्रतिवेदन** प्रदत्तव्याख्यायाः अर्थः स्वरूपं च। प्रदत्तव्याख्यायाः प्रक्रिया। प्रदत्तानां तुलनात्मकव्याख्या। प्रदत्तविश्लेषणस्य आधारेण निष्कर्षनिरूपणम्। अनुसन्धानपरिकल्पनायाः परीक्षण। प्रदत्तविश्लेषणस्य शैक्षिकनिहितार्थाः। प्रदत्तविश्लेषणे वस्तुनिष्ठता नैतिकता च। अनुसन्धानप्रतिवेदनस्य स्वरूपम् संरचना च। अनुसन्धानप्रतिवेदनस्य लेखनविधिः। अनुसन्धानस्य सीमाः प्रदत्तानां सारणी, चित्रालेखरूपेण प्रस्तुतीकरणं परामर्शाः च।	15

सन्दर्भग्रन्थाः –

1. गुप्ता, एस. पी. एवं कपूर, वी. के. सांख्यिकी के मौलिक सिद्धान्त। नई दिल्ली, सुल्तान चन्द एंड संस।
2. गुप्ता, एस. पी. शैक्षिक अनुसंधान एवं सांख्यिकी। इलाहाबाद, शारदा पुस्तक भवन।
3. कौल, लोकश. शैक्षिक अनुसंधान की पद्धति। नई दिल्ली, विकास पब्लिशिंग हाउस।
4. सिंह, अरुणकुमार. मनोविज्ञान, समाजशास्त्र तथा शिक्षा में अनुसंधान विधियाँ। नई दिल्ली, मोतीलाल बनारसीदास।
5. .सिंह, ए. के. शैक्षिक अनुसंधान की विधियाँ। आगरा, अग्रवाल पब्लिकेशन्स।
6. शर्मा, आर. ए. शैक्षिक अनुसंधान। मेरठ, आर. लाल बुक डिपो।
7. यादव, मोहनलाल. शैक्षिक अनुसंधान एव सांख्यिकी। जयपुर, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी।

उत्तराखण्डसंस्कृतविश्वविद्यालयः, हरिद्वारम्

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर आधारित पाठ्यक्रम (सत्र 2026–27 से प्रभावी)

आचार्य (एम.ए.) शिक्षाशास्त्रम्

वर्ष–द्वितीय (सेमेस्टर –IV)

विषय–शिक्षाशास्त्रम्

प्रश्नपत्र–पाठ्यचर्याविकासः (कोड–DSE-7)

क्रेडिट 04, पूर्णांक : 100
सैद्धांतिकः 75, आंतरिक मूल्यांकन 25

DSE-8	**पाठ्यचर्याविकासः**	पूर्णांक 75
इकाई	**पाठ्यविषय**	**अंक**
1	**पाठ्यचर्यायाः संकल्पना आधारश्च –** पाठ्यचर्यायाः अर्थः, परिभाषाः, संकल्पना, प्रकृतिः, विशेषताः च। पाठ्यचर्यायां पाठ्यक्रमे अन्तरं च। पाठ्यचर्यायाः उद्देश्यानि, कार्याणि, प्रकाराश्च। पाठ्यचर्यायाः दार्शनिकाधाराः, मनोवैज्ञानिकाधाराः, सामाजिकाः, सास्कृतिकाधाराश्च। भारतीयज्ञानपरम्परा पाठ्यचर्यायाः च। राष्ट्रियशिक्षानीति 2020 इत्यस्य संदर्भे पाठ्यचर्यायाः अवधारणा।	15
2	**पाठ्यचर्यायाः तत्त्वानि संगठनं च –** पाठ्यचर्यायाः प्रमुखतत्त्वानि, उद्देश्यानि, विषयवस्तुचयनं संगठनं च। अधिगमानुभवानां क्रमः निरन्तरता च। पाठ्यचर्यासंगठनसिद्धान्ताः। विषयकेंद्रिता, बालकेंद्रिता, गतिविधिकेंद्रिता च पाठ्यचर्या। एकीकृता अन्तर्विषयिणी पाठ्यचर्या। पाठ्यचर्यायां मूल्य–कौशल–दक्षतानां समावेशः।	15
3	**पाठ्यचर्याविकासस्य प्रक्रिया –**पाठ्यचर्याविकासस्य अर्थः आवश्यकता, सिद्धान्ताश्च। पाठ्यचर्याविकासस्य अवस्थाः। शैक्षिकोद्देश्यानां निर्धारणम्। विषयवस्तुनि अधिगमानुभवानां चयनम्। पाठ्यचर्यायाः संगठनं, निर्माणं च। पाठ्यचर्याक्रियान्वयनम्। पाठ्यचर्या मूल्यांकनं पुनरीक्षणं च। पाठ्यचर्याविकासे शिक्षकस्य, विद्यार्थिनः, अभिभावकस्य समुदायस्य च भूमिका।	15
4	**पाठ्यचर्या विकासस्य प्रतिरूपम् (माडल) –** पाठ्यचर्याविकासस्य प्रतिरूपम्–टायलरः, टैबा, व्हीलरः इत्यादयः। पाठ्यचर्याविकासे शिक्षककेंद्रितं विद्यालकेंद्रितं च दृष्टिकोणम्। समावेशात्मिकाशिक्षायाः कृते पाठ्यचर्याविकासः। बहुसांस्कृतिकी बहुभाषिकी च पाठ्यचर्या। व्यावसायिकशिक्षायाम् आधारिता पाठ्यचर्या।	15
5	**भारतीयपरिप्रेक्ष्ये पाठ्यचर्याविकासः –** भारतीयशिक्षाव्यवस्थायां पाठ्यचर्याविकासस्य स्वरूपम्। प्राचीनभारतीयवैदिकशिक्षायां पाठ्यचर्या। राष्ट्रियपाठ्यचर्यायाः रूपरेखा 2005, 2022। राष्ट्रीयशिक्षानीतिः 2020 इत्यस्यां पाठ्यचर्याविकासः। पाठ्यचर्यायां भारतीयज्ञानप्रणाली, कला, संस्कृतिः, मूल्यानां समावेशः च। पाठ्यचर्यायां मातृभाषा। पाठ्यचर्यायाः गुणवत्ता, प्रासंगिकता च।	15

सन्दर्भग्रन्थाः –

1. यादव, सीताराम, पाठ्यक्रम विकास। अग्रवाल, पब्लिकेशन, आगरा।
2. वर्मा, रामपाल एवं शर्मा, रमेश पाठ्यक्रम, शिक्षणकला एवं मूल्यांकन। विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा।
3. पाठक, आर. पी., पाठ्यचर्या निर्देशन एवं तुलनात्मकशिक्षा का आधार। कनिक पब्लिशर्स, नई दिल्ली।
4. गुप्ता, रेनु पाठ्यक्रम एवं विद्यालय प्रबंधन।दोआबा बुक हाउस, दिल्ली।
5. मिश्रा, एल. एन. शिक्षा एवं शिक्षण सिद्धान्त। विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा।
6. अग्रवाल, के. सी., शिक्षा सिद्धान्त। आर. एस. ए. इण्टरनेशनल, आगरा।
7. मदान, पूनम पाठ्यक्रम विकास एवं आकलन। अग्रवाल पब्लिकेशन्स।
8. शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020। शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, नईदिल्ली।
9. राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2005। NCERT नईदिल्ली।
10. राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा बुनियादी स्तर 2022/2023। NCERT नईदिल्ली।

उत्तराखण्डसंस्कृतविश्वविद्यालयः, हरिद्वारम्

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर आधारित पाठ्यक्रम (सत्र 2026–27 से प्रभावी)

आचार्य (एम.ए.) शिक्षाशास्त्रम्

वर्ष–द्वितीय (सेमेस्टर –IV)

विषय–शिक्षाशास्त्रम्

प्रश्नपत्र–शोध नैतिकता (कोड–DSE-8)

क्रेडिट 04, पूर्णांक : 100
सैद्धांतिकः 75, आंतरिक मूल्यांकन 25

DSE-9	**शोधनैतिकता**	**पूर्णांक 75**
इकाई	**पाठ्यविषय**	**अंक**
1-	**शोधनैतिकता संकल्पना आधारः च** शोधस्य नैतिकता, अर्थः, परिभाषा, संकल्पना, प्रकृतिः, विशेषताः च। अनुसन्धाने नैतिकतायाः आवश्यकता, महत्त्वं च। शोधकर्तुः नैतिकं दायित्त्वम्। सत्यनिष्ठा, निष्पक्षता पारदर्शिता च। शोधः सामाजिकोत्तरदायित्वं च। शैक्षिकशोधे नैतिकता महत्त्वं च। शोधनैतिकतायाः प्रमुखसिद्धान्ताः।	15
2-	**शोधकर्तृसम्बद्धनैतिकता** शोधकतृप्रतिभागिसम्बन्धः। प्रतिभागिनां स्वायत्तता गरिमा च। सूचिता सहमतिः (Informed Consent)। प्रतिभागिनां गोपनीयता निजता च। व्यक्तिगता सूचनासुरक्षा। प्रतिभागिनः संभावितस्य अपायस्य लाभस्य ज्ञानं च। निम्नार्थिकवर्गेण विशिष्टसमूहैः च साकं शोधे अपेक्षिता सावधानता। बालप्रतिभागिनां सन्दर्भे नैतिकप्रविधानानि। शोधकार्ये अनैतिकप्रभावात् शोषणात् च आत्मरक्षणम्। प्रतिभागिनः अधिकारः शोधकर्तुः दायित्वम्।	15
3-	**अनुसन्धाने अनैतिक आचरण शोध सत्यनिष्ठा** अनुसन्धाने नैतिकाचरणस्य संकल्पना। साहित्यचौर्यम् (Plagiarism) रक्षा च। शोधप्रदत्तानां मिथ्याकरणम् (Fabrication)। शोधप्रदत्तानां कूटरूपीकरणम् (Falsification)। अनुचितोद्धरणं सन्दर्भप्रदानं च। पुनर्प्रकाशनं तथा अतिव्यापिप्रकाशनं च। लेखकेन सहलेखकेन च सम्बद्धाः नैतिकप्रश्नाः। शोधस्य विश्वसनीयता अकादमिक सत्यनिष्ठा च।	15
4-	**शोध–प्रतिवेदनं शोधलेखनस्य नैतिकता च** शोधप्रतिवेदनस्य अर्थः, स्वरूपं महत्त्वं संरचना च। शोधसमस्या, उद्देश्यस्य स्पष्टनिर्धारणम्। साहित्यसमीक्षा नैतिकता च। स्रोतसां समुचितोपयोगः, सन्दर्भसूची, शुद्धता च। शोधप्रदत्तानां प्रस्तुतीकरणे नैतिकता। शोधनिष्कर्षाणां व्याख्या निष्पक्षता च। अकादमिकलेखने मूलभूतनैतिकता।	15
5-	**शोध नैतिकतायाः संस्थागताः आयामाः** शोधनैतिकतायां संस्थानां भूमिका। शोधनैतिकतासमितेः Institutional Ethics Committee भूमिका। विश्वविद्यालयेषु शोधसंस्थानेषु च शोधनैतिकता। शोधे नैतिकस्वीकृतेः आवश्यकता। शोधे मानवप्रतिभागसम्बद्धाः नैतिकदिशानिर्देशाः। अनुसन्धाने सद्यस्कप्रदत्तसंग्रहे नैतिकता च। कृत्रिमबुद्धिमत्ताप्रयोगे नैतिकता। शोधे प्रदत्तसुरक्षा साइबरनैतिकता च। शोधप्रकाशनम् अकादमिकसत्यनिष्ठा च। शोधनैतिकतायाः समस्याः समाधानानि च।	15

सन्दर्भग्रन्थाः –

1. कौल, लोकेश, शैक्षिक अनुसंधान की पद्धति। विकास पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
2. बेस्ट, जॉन डब्ल्यू. एवं काह्न, जेम्स वी. शिक्षा में अनुसंधान। पीयर्सन एजुकेशन, नई दिल्ली।
3. गुप्ता, एस. पी. शैक्षिक अनुसंधान एवं सांख्यिकी। शारदा पुस्तक भवन, इलाहाबाद।
4. शर्मा, आर. ए. शैक्षिक अनुसंधान। आर. लाल बुक डिपो, आगरा।
5. सिंह, अरुण कुमार, मनोविज्ञान, समाजशास्त्र तथा शिक्षा में अनुसंधान विधियाँ। मोतीलाल बनारसीदास, नईदिल्ली।
6. सिंह, ए. के. शैक्षिक अनुसंधान की विधियाँ। अग्रवाल पब्लिकेशन्स, आगरा।
7. मुखर्जी, एस. पी. शैक्षिक अनुसंधान एवं सांख्यिकी। न्यू एज इंटरनेशनल पब्लिशर्स, नई दिल्ली।
8. वर्मा, एम. एवं अग्रवाल, डी., शैक्षिक अनुसंधान एवं सांख्यिकी। विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा।
9. यादव, मोहनलाल शैक्षिक अनुसंधान एवं सांख्यिकी। राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर।
10. अग्रवाल, जे. सी., शैक्षिक अनुसंधान एवं मूल्यांकन। विकास पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली

उत्तराखण्डसंस्कृतविश्वविद्यालयः, हरिद्वारम्

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर आधारित पाठ्यक्रम (सत्र 2026–27 से प्रभावी)

आचार्य (एम.ए.) शिक्षाशास्त्रम्

वर्ष–द्वितीय (सेमेस्टर –IV)

विषय–शिक्षाशास्त्रम्

प्रश्नपत्र–IAPC-04

(लघुशोधप्रबन्धः शोधपरियोजना)

क्रेडिट 04, पूर्णांक : 100

सैद्धांतिकः 75, आंतरिक मूल्यांकन 25

IAPC-04	लघुशोधप्रबन्धः शोधपरियोजना	पूर्णांक 100
1	लघुशोधप्रबन्धलेखनं प्रस्तुतीकरणं च	75